माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी (विशिष्ट)	0 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक 219- 2334633

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	9	2	5	4	3	9	1	5

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 02 शब्दों में दो

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 11

ग :- परीक्षा का दिनांक 19 | 03 | 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल परीक्षा 162008

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
450455	सोनी 94 शा.उ.मा.वि. ..., जि. ...

V. CHOUHAN 9450227

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में ... अंकों में

② योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [1] के उत्तर

(i) कृष्ण के।

(ii) शहद।

(iii) प्रवाजिका आत्मप्राणा।

(iv) कृतज्ञ।

(v) रति।

B S E

प्रश्न क्रमांक - [2] के उत्तर

(i) गाँवों मे।

(ii) महादेवी वर्मा।

(iii) माद्री।

(iv) सोलह।

(v) पंचवटी।

③ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ　　पृष्ठ 3 के अंक　　कुल

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3 के उत्तर

(i) (सत्य)

(ii) (सत्य)

(iii) (असत्य)

(iv) (असत्य)

(v) (असत्य)

प्रश्न क्रमांक - 4 के उत्तर

(i) पथ की पहचान - हरिवंशराय बच्चन

(ii) श्रीकृष्ण - सोलह कलाओं के अवतार

(iii) नर्मदा - अमरकंटक।

(iv) संधि को तोड़ना - विच्छेद।

(v) संचारी भावों की संख्या - 33

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 5 के उत्तर

प्रश्न क्रमांक - (i) का उत्तर

साधु से उसकी जाति नहीं पूछना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक - (ii) का उत्तर

शिवाजी के पुत्र का नाम सम्भाजी था।

प्रश्न क्रमांक - (iii) का उत्तर

भगिनी निवेदिता का मूल नाम मार्गरेट इलिजाबेथ नोबुल था।

प्रश्न क्रमांक - (iv) का उत्तर

जिसके समान दूसरा न हो उसे अद्वितीय कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक - (v) का उत्तर

जहाँ नायक - नायिका के विरह का वर्णन हो, वहाँ वियोग - श्रृंगार रस होता है।

B
S
E

5

योग पूर्व पृष्ठ	अंक	कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 6 का उत्तर

अवगुणों पर ध्यान न देने के लिये सूरदास जी ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना की है। वे कहते है कि उनमे अनेक अवगुण है इसलिए हे भगवान भगवान श्रीकृष्ण! आप अपने समदर्शी स्वभाव के अनुसार उनका उद्धार कर दीजिए।

प्रश्न क्रमांक - 7 का उत्तर

कवि ने हिमालय के ऊँचे - ऊँचे स्वच्छ-सुफेद शिखरों पर बादलों को घिरते देखा है वे कहते है कि मैंने हिमालय की झीलों में हँसो को तैरते हुए देखा है।

प्रश्न क्रमांक - 8 का उत्तर

तुलसीदास जी के मन मंदिर में अवध के राजा दशरथ के चारों पुत्र अपने मनमोहक सौन्दर्य के साथ विहार करते रहते है। तुलसीदास जी का हृदय सदैव उनमें ही रमा रहता है।

प्रश्न क्रमांक - 9 का उत्तर

बिना विचारे काम करने से व्यक्ति के काम असफल हो सकते है, कार्यों के असफल हो जाने के कारण उसे पछताना

प्रश्न क्र.

पड़ता है कि उसने सोच - विचार कर काम क्यों नहीं किया। वह चाहकर भी असफलता का ~~६~~ दुःख भुला नहीं पाता है।

प्रश्न क्रमांक - 10 का उत्तर

कबीरदास जी संतोषी कवि है वे मात्र अपने गुजारे के लिए ईश्वर से धन आदि साधन माँगते है। उन्हें ज्ञात है कि अधिक सम्पत्ति मिलने पर व्यक्ति मे दोष उत्पन्न हो जाती जाते है इसलिए वे मात्र इतना धन चाहते है ~~जिस~~ जिससे उनका एवं उनके परिवार का पेट भर सके तथा घर में आने वाला अतिथि भी भूखा न जाये।

प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर

हिन्दी की प्रथम कहानी - इन्दुमती

कहानीकार का नाम - किशोरीलाल गोस्वामी।

P.T.O.

⑦ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 7 के अंक — कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [12] का उत्तर

तेजस्वी पुरूष लाला लाजपतराय पंजाब के शेर कहे जाते है। उनके चरित्र की विशेषताऐं निम्न है—

i) एक उनकी वाणी, जो आग उगलती है।

ii) दूसरी उनकी कलम, जो ओज उत्पन्न करती है।

प्रश्न क्रमांक - [13] का उत्तर

पंचभूत एवं पंचगव्य में दो अन्तर निम्न है—

	पंचभूत	पंचगव्य
①	पंचभूत में पाँच तत्व प्रकृति से प्राप्त होते है। जैसे- पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश आदि	पंचगव्य में पाँच तत्व गाय से प्राप्त होते है। जैसे- दूध, दही, गोबर, गोमूत्र और घृत आदि।
②	पंचभूत से शरीर का निर्माण होता है।	पंचगव्य से शरीर को पौष्टिक आहार एवं पोषण प्राप्त होता है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [14] का उत्तर

युधिष्ठिर अपने चारों भाइयों के वापिस न लौटने पर उस दिशा में गये जहाँ उनके भाई गये थे तो उन्हे एक तालाब दिखाई दिया जहाँ उनके भाई मृत से पड़े हुए थे उन्हे देखकर वे व्याकुल होकर जल पीने की इच्छा से तालाब के निकट गये जहाँ यक्ष ने उन्हे रोकते हुए प्रश्न किये। उन्होंने (यक्ष) एक प्रश्न किया कि संसार में सबसे बड़े आश्चर्य की बात क्या है? तो उन्होंने उत्तर दिया कि "जो प्राणी अपनी आँखों के सामने कितने ही प्राणियों को मरता हुआ देखकर यह इच्छा व्यक्त करते है कि वे जीवित बचे रहें तो यह सबसे बड़े आश्चर्य की बात है।"

प्रश्न क्रमांक - [15] का उत्तर

शुद्ध वाक्य -

(i.) सेठ ज्वालाप्रसाद अच्छे महाजन थे।

(ii) सोनू को फेल होने की आशंका है

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 16 का उत्तर

खण्डकाव्य - खण्डकाव्य उस काव्य को कहते है जिसमे जीवन के किसी खण्ड चित्त का अंकन किया गया हो। इसमें जीवन की किसी एक घटना को आधार माना जाता है। यह अपने आप मे पूर्ण रचना होती है। इसमे एक ही छन्द एवं एक ही सर्ग होता है। इसमे पात्रों की संख्या कम एवं इसका कलेवर सीमित होता है।

खण्डकाव्य	खण्डकाव्य कर्ता
पंचवटी	मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न क्रमांक - 17 का उत्तर

वनवास की विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों को पाण्डवों ने साहसपूर्वक सहन किया। इन्ही कठिनाइयो के रहते हुए अर्जुन इन्द्रदेव से दिव्यास्त्र ले आये थे। भीमसेन ने भी सुगन्धित सरोवर के निकट महाबली हनुमान से भेंट की तथा उनका आलिंगन पाकर दस हजार गुना शक्तिशाली हो गये। युधिष्ठिर ने भी

प्रश्न क्र.

धर्मराज से भेंट करने एवं गले मिलने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस प्रकार अनेक कठिनाइयाँ पाण्डवों ने वीरतापूर्वक सहन की।

प्रश्न क्रमांक - [18] का उत्तर

एकशब्द में उत्तर -

(i) जिसका कोई आकार न हो - निराकार।

(ii) दोपहर के पहले का समय - अपराह्न।

(iii) जानने की इच्छा - जिज्ञासा।

प्रश्न क्रमांक - [19] का उत्तर

स्थायी भाव एवं संचारी भाव में निम्न अंतर है -

	स्थायी भाव	संचारी भाव
(1)	मानव हृदय में सुषुप्त रूप से सदैव विद्यमान भावों को संचारी भाव कहते हैं।	मानव हृदय में कुछ समय के लिए जाग्रत होने वाले अस्थिर मनोविकार संचारी भाव कहलाते हैं।

(2)	इनकी संख्या दस बतायी गयी है।	इनकी संख्या तैंतीस बतायी गयी है।
(3)	स्थायी भाव का संबंध किसी एक रस से होता है।	संचारी भावों का संबंध एक से अधिक रसों से होता है।

प्रश्न क्रमांक - 20 का उत्तर

प्रगतिवादी काव्य की दो विशेषताएँ निम्न है -

(i) शोषकों के प्रति विद्रोह एवं शोषितों के प्रति सहानुभूति - इस युग के कवियों ने अपने काव्य में गरीब किसान, मजदूरों आदि के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए शोषकों का कड़ा विरोध किया है।

(ii) भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद को महत्व - इस युग के कवियों ने भाग्य की अपेक्षा कर्म को अधिक महत्ता प्रदान करते हुए भाग्यवाद की सरहृदना एवं कर्मवा की प्रशंसा की है।

प्रश्न क्र.

दो प्रगतिवादी कवि व उनकी रचनाएँ निम्न है।

प्रगतिवादी कवि		उनकी रचना
(i) नागार्जुन	—	युगधारा
(ii) शिवमंगलसिंह 'सुमन'	—	हिल्लोल

प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

रेखाचित्र — रेखाचित्र उस बुध रचना को कहते है जिसमे किसी अतीत की घटना, प्रत्यक्ष देखी घटना आदि का वर्णन एवं प्रतिपादन शब्दरेखाओं के माध्यम से बड़ी सहजता एवं सुरसता के साथ किया जाता है।

रेखाचित्रकार		उनकी रचना
(i) महादेवी वर्मा	—	अतीत के चलचित्र।
(ii) रामवृक्ष बेनीपुरी	—	माटी की मूरतें।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 22 का उत्तर

तुलसीदास

(1) दो रचनाएँ - कवितावली, विनयपत्रिका

(2) भावपक्ष एवं कलापक्ष -

भावपक्ष -

(i) भक्तिभावना - तुलसीदास जी सगुण ईश्वर श्रीराम के भक्त थे। उन्हें श्रीराम के बाल सौन्दर्य ने अत्याधिक प्रभावित किया।

(ii) साम्यवादी दृष्टिकोण - तुलसीदास जी भगवान श्रीराम के भक्त थे, परन्तु उन्होंने सभी देवी-देवताओं के प्रति आस्था व्यक्त की है।

(iii) रसासिद्धता - तुलसीदास जी रसासिद्ध कवि थे उन्होंने अपने काव्य में श्रृंगार रस, वात्सल्य रस, शान्त रस आदि का यथास्थायी चित्रण किया है।

(iv) प्रकृति चित्रण - उन्हें अपने काव्य में कहीं कहीं प्रकृति को उद्दीपन

प्रश्न क्र. के रूप में व्यक्त किया है।

कलापक्ष

(i) भाषा - तुलसीदास जी ने अवधी भाषा का प्रयोग किया है। कहीं-कहीं अरबी-फारसी आदि के शब्दों को भी उन्होंने यथास्थान प्रदान किया है।

(ii) शैली - तुलसीदास जी ने प्रबन्ध काव्यों की रचना की है उनकी शैली उपदेशात्मक एवं लयात्मक है।

B
S
E

(iii) अलंकार योजना - तुलसीदास जी की अलंकार योजना अनुपम है उन्होंने उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि का बड़ा मनोरम वर्णन व चित्रण किया है।

(3) साहित्य में स्थान - तुलसीदास जी रामभक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि है उनका वत्सल वर्णन अनुपम है वे लोक के कवि है उन्हे हिन्दी साहित्याकाश का सूर्य माना जाता है।

15

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 23 का उत्तर

वासुदेव शरण अग्रवाल

(1) दो रचनाएँ - उरज्योति, माताभूमि।

(2) भाषा - शैली

भाषा - अग्रवाल जी की भाषा सरल, सुबोध, संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है (कहीं - कहीं भाषा में दुरूहता के दर्शन होते है। उन्होंने अपनी भाषा मे मुहावरों व लोकोक्तियों का यथास्थान प्रयोग किया है।

शैली -

(i) भावात्मक शैली - जहाँ अग्रवाल जी भावो मे मग्न हो जाते है वहाँ इस प्रकार की शैली का प्रयोग किया गया है।

(ii) वर्णनात्मक शैली - इन्होंने अपने निबंधों मे इस शैली का प्रयोग कर गंभीर भावों को भी सरल बना दिया है।

(iii) विचारात्मक शैली - इन्होंने रिपोर्ताज, उपन्यास, आदि को इस शैली मे प्रस्तुत किया है।

(3) साहित्य में स्थान - अग्रवाल जी हिन्दी साहित्य के आधार स्तम्भ है उन्होने अनेक विधाओं से हिन्दी साहित्य को धनी बनाया है। उनका नाम हिन्दी के प्रमुख प्रसिद्द साहित्यकारो मे से एक है।

प्रश्न क्रमांक - [25] का उत्तर

भर रही - - - - - - - - - - - हो वसंत।

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिन्दी विशिष्ट' नवनीत के अंतर्गत 'शौर्य और देश-प्रेम' के शीर्षक 'वीरो का कैसे हो बसंत' से किया गया है इसकी रचयिता सुभद्रकुमारी चौहान है।

प्रसंग - इस पद्यांश में बताया गया है कि जब राष्ट्र को आवश्यकता हो तो राग-रंग, भोग-विलास आदि छोड़कर राष्ट्र सेवा मे लग जाना चाहिए।

व्याख्या - कवि कवयित्री कहती है कि एक ओर कोयल की

17

योग पृ. + पृ. अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

मधुर तान सुनाई दे रही हो और दूसरी ओर मारू बाजे (रणभेरी) की आवाज सुनाई दे रही हो। एक ओर राग-रंगमय जीवन तथा दूसरी ओर युद्ध का विधान हो। एक ओर राग-रंगमय जीवन की शुरुआत और दूसरी ओर जीवन का अंत है। अतः इन दो पहलुओं में से किसी एक का चुनाव वीरो को ही करना है कि उनकी मृत्यु श्रेयस्कर है या विलास और अपने जीवन का बसंत मनाना है।

विशेष –

(i) वीरतापूर्वक जीने एवं राष्ट्रसेवा करने की ओर संकेत दिया गया है।

(ii) वीर रस की प्रधानता है।

(iii) भाषा सरल एवं स्पस्ट है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 25 का उत्तर

मैंने जो कुछ - - - - - - - - - - - - - भावना है।

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिन्दी विशिष्ट नवनीत' के अंतर्गत 'मैं और मेरा देश' नामक पाठ से अवतरित है इसके लेखक 'कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' है

प्रसंग - यहाँ बताया गया है कि कार्य से अधिक महत्व कार्य करने की ~~ब~~ भावना का होता है

B S E

व्याख्या - जीवन अध्ययन एवं अनुभव के आधार पर लेखक कहते है कि कार्य की महानता उसकी लघुता या गुरुता से नहीं होती है। छोटे-से-छोटा कार्य भी महानता का परिचायक हो सकता है और बड़े-से-बड़ा कार्य हीनता का परिचायक हो सकता है। यदि छोटे कार्य की मूल भावना अच्छी है तो वह महान और यदि बड़े कार्य की भावना अच्छी नहीं है तो वह हीन हो सकता है। अत: महत्व कार्य के छोटे-बड़े होने से का नहीं आपितु उसे मूल में होने वाली भावना का होता है।

प्रश्न क्र.

विशेष - (i) कार्य के मूल में होने वाली भावना का महत्व बताया गया है।

(ii) भाषा सरल एवं पूर्णता स्पष्ट है।

(iii) व्याकरण की दृष्टि से संतुलन युक्त है।

प्रश्न क्रमांक - 26 का उत्तर

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक - परोपकार का महत्व

उ. ⇒ (ii) पर अर्थात् दूसरों के लिये सबकुछ न्यौछावर करना ही सच्ची मानवता है।

उ. ⇒ iii वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप, आँधी, वर्षा और तूफान में अपना सब कुछ बलिदान कर परोपकार का संदेश देते है।

उ. ⇒ iv सारांश - स्वार्थ व परमार्थ मानव की प्रवृत्तियाँ है स्वार्थ तो पशुओं में भी होता है परन्तु पर अर्थात् दूसरो के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करना ही परोपकार है। इससे धर्म, पुण्य ही मिलता ही है साथ ही अपूर्व आनंद की प्राप्ति होती है सूर्य, चन्दमा आदि प्राकृतिक वस्तुएँ हमें परोपकार की प्रेरणा देती है नदी एवं वृक्ष भी परोपकार की प्रेरणा देकर मनुष्य को परोपकार करने के लिए प्रोत्साहित करते है

(20) + =

योग पूर्व पृष्ठ पृ... क अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [27] का उत्तर

वार्ड नं.-6, सुभाषकालोनी
दमोह (मध्यप्रदेश)
दिनांक - 19-03-2019

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्कार,

शुभ समाचार यह है कि मेरे बड़े भाई श्री अजय कुमार का विवाह दिनांक 26-04-2019 को होना निश्चित हुआ है। तुम तो जानते ही हो कि इस शुभ अवसर पर तुम्हारा पधारना मेरे लिये कितना आनंददायक होगा। तुम्हें सभी वैवाहिक कार्यक्रमों के पहले ही आना होगा। निमंत्रण पत्र छपते ही तुम्हें भिजवा दूंगा। उसी पत्र को स्वीकार कर आने का कष्ट अवश्य करना।
पूज्य माताजी एवं पिताजी को सादर चरण स्पर्श, मेरी छोटी बहन एवं भाई को प्यार मेरी ओर से अवश्य कहना।

तुम्हारा प्रिय मित्र
(अ ब स)
कक्षा - दसवीं

P.T.O.

(21)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2019

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी (विशिष्ट)	0 0 1	हिन्दी	15 03 19

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 119- 1242665

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 1 9 2 5 4 3 9 1 5

शब्दों में: एक नौ दो पाँच चार तीन नौ एक पाँच

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा: हाईस्कूल परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: केन्द्र कोड 252008

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक............................तक कुल प्राप्त

अंकों का योग

B S E

प्रश्न क्रमांक - (24) का उत्तर

(ब) आतंकवाद

रूपरेखा

(i) प्रस्तावना।

(ii) आतंकवाद का अर्थ।

(iii) आतंकवाद का समाज पर प्रभाव।

(iv) राजनीतिक क्षेत्र में आतंकवाद।

(v) कश्मीर आतंकवाद का प्रमुख के

(vi) आतंकवाद को रोकने के प्रया

(v) उपसंहार।

(22)

(2)

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

(अ) विज्ञान के बढ़ते चरण

रूपरेखा

(1) प्रस्तावना।

(2) विज्ञान एक वरदान।

(3) विज्ञान के चमत्कार।

(4) यातायात।

(5) कृषि और उद्योग।

(6) मनोरंजन।

(7) चिकित्सा।

(8) अंतरिक्ष विज्ञान।

(9) विज्ञान : एक अभिशाप।

(10) उपसंहार।

सावधान मनुष्य को, विज्ञान का उपहार
है सुवासित प्रगति सुख से, चारु दिक संसार

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUC

प्रश्न क्र.

① प्रस्तावना – आज जल, थल तथा नभ में विज्ञान की विजय पताका फहर रही है। वर्तमान युग में मानव जीवन एवं विज्ञान एक-दूसरे के पर्याय बन चुके है। विज्ञान ने अपार शक्ति मानव को प्रधानता देते हुए प्रदान की है। आज मानव आकाश में पक्षी की भाँति विहार कर रहा है, समुद्र की छाती चीरकर एवं पर्वतों को लाँघकर अपने भाग्य पर इठला रहा है। उसने प्रकृति को अपनी दासी बना लिया है।

② विज्ञान एक वरदान – विज्ञान के अपार साधन मनुष्य के लिये वरदान सिद्ध हो रहे है इसकी व्यापकता सभी क्षेत्रों में है। आज विश्व के विभिन्न देशो में आगे बढ़ने की होड़ लगी है यही कारण है कि हमारी इच्छाएँ आराम की सीमाएँ आदि बढ़ती जा रही हैं। यातायात, कृषि, उद्योग आदि सभी विज्ञान से प्रभावित है। आज विज्ञान के बिना मानव जीवन असम्भव सा प्रतीत होता है।

③ विज्ञान के चमत्कार – ईंधन, सूचना कम्प्यूटर उपकरण आदि साधन मनुष्य के जीवन को औ

सम्पन्न बना रखा है। आज विद्युत से चलने वाले पंखे, कूलर आदि विज्ञान ने उपलब्ध कराये है। आज बिजली के माध्यम से झाड़ू लगाना, कपड़े धोना, सुखाना आदि कार्य आसान हो गया है। आज कम्प्यूटर ने मानव मस्तिष्क का भार सम्भाल लिया है।

(4) यातायात – प्राचीन काल में मनुष्य जिस दूरी पर अपार जन-धन की हानि के बाद लंबी अवधि में पहुँच पाता था आज उसी दूरी को कुछ ही समय में तय करना विज्ञान ने सम्भव बना दिया है। उसने दूरियों को नजदीकियों में बदल दिया है। आज हमारी यात्रा के लिये बस, कार, रेल आदि उपलब्ध है।

(5) कृषि एवं उद्योग – आज विज्ञान ने कृषि, उद्योग, कारखानों को विकसित बना दिया है। कृषि का विकास विज्ञान के द्वारा ही हो सका है। आज इस्पात, खाद, उर्वरक आदि के कारखाने उपलब्ध है। लघु व कुटीर उद्योगों का विकास भी विज्ञान के कारण हो सका है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय 2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी (विशिष्ट)	0 0 1	हिन्दी	19 03 19

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 119- 1242762

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: - 1 9 2 5 4 3 9 1 5

शब्दों में: - एक नौ दो पाँच चार तीन नौ एक पाँच

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा: हाईस्कूल परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक..................तक कुल प्राप्तांक [ ] + [ ] = [ ]

(6) मनोरंजन - श्रम के बाद मनुष्य को मनोरंजन की आवश्यकता होती है आज टी.वी. रेडियो, सिनेमा आदि वैज्ञानिक साधन उसके मनोरंजन के लिये उपलब्ध है इससे मनोरंजन के साथ - साथ विभिन्न स्थानों देशों, कार्यक्रमो आदि का ज्ञान भी होता है।

(7) चिकित्सा - आज विज्ञान ने औषधि एवं शल्य विज्ञान को विकासित बनाया है। आज विभिन्न प्रकार के आन्तरिक शारीरिक रोगो की जानकारी एक्स-रे द्वारा प्राप्त कर इलाज किया जा रहा है। आज कैंसर जैसे दुस्साध्य रोगो का इलाज सम्भव हो सका है। विज्ञान परखनली द्वारा शिशु को जन्म देकर जीवनदाता बन गया है।

B S E

के अंकों का योग

प्रश्न क्र.

(8) अंतरिक्ष विज्ञान – आज विज्ञान अंतरिक्ष तक पहुँच चुका है चन्द्रमा के गूढ़ रहस्यों को सुलझा चुका है। शनि एवं मंगल के विषय में भी जानकारी प्राप्त की जा रही है।

(9) विज्ञान : एक अभिशाप – विज्ञान ने मानव के कल्याण के लिए छोटे-से लेकर बड़े कार्य किये हैं परन्तु आज विज्ञान के विध्वंसकारी परीक्षणों ने मानव को प्रकम्पित कर दिया है। यद्यपि प्राकृतिक प्रकोपों, कीटाणु, जीव-जन्तुओं से मानव को सुरक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है यह सब विज्ञान का सदुपयोग था परन्तु मानव की अहंकार वृत्ति भी शांति शांत नहीं रही। अतः विज्ञान ने भी अपने विध्वंसक रूप से परिचित करा दिया। एक ही एटम बम से हजारों मील क्षेत्र को नष्ट किया जा सकता है। हिरोशिमा एवं नागासाकी में पैदा होने वाली यह शक्ति भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में पहुँचती जा रही है। एल्बर्ट स्विट्ज़र ने कहा है कि–

"विज्ञान के दुरूपयोग में, मानव का सर्वनाश निहित है"।

27

3

10 उपसंहार - विज्ञान के दो पहलू है एक में विज्ञान के अभिशापों की काली छाया तो दूसरी मे विज्ञान बसंत कालित क्रीड़ा कर रहा है। विज्ञान स्वयं मे कोई शक्ति नहीं है यह मानव के हाथ मे आकर ही शक्ति का रूप धारण करता है। चाहे मनुष्य विज्ञान का प्रयोग विनाश के लिए करे या कल्याण के लिए यह उसी पर निर्भर करता है। अतः भगवान हमे सद्बुद्धि दे। कि हम विज्ञान का सदुपयोग करे।